धन प्राप्ति कारक अष्टोत्तरशत दिव्य प्रयोग

By 💖 Prakash Ji 💖

श्री गुरुमूर्ति दक्षिणामूर्ति समेत श्री गुरुमाता त्रिपुरभैरवी

उमा शरणं

1. किसी भी महीना की शुक्ल पक्ष हो अथवा कृष्ण पक्ष हो कोई भी पक्ष हो चतुर्थी तिथि से प्रारंभ करते हुए अगर कोई भगवान गणपति का हेरंव स्वरूप का आराधना करता है तो निश्चित रूप से महा दरिद्रता का निवारण हो जाता है ।

2. घर में अगर ऋण रोग तथा दरिद्रता तीनों चीज दिखाई देने लग जाए । और विशेष कर रोग से पत्नी ही परेशान हो.... ऐसी स्थिति में व्यक्ति को ऋण मोचन मंगल स्तोत्र का किसी मंगलवार से प्रारंभ करते हुए नित्य प्रतिदिन पाठ करना चाहिए । मंगल मंत्र का जाप उसके लिए बहुत प्रभावित है । ऋण रोग तथा दरिद्रता तीनों को एक साथ निवारण करने का अद्भुत क्षमता है ऋण मोचक मंगल स्तोत्र में ।

3. अगर आप यह चाहते हैं कि जो लक्ष्मी चंचल है यही लक्ष्मी हमारे घर में सदा के लिए स्थिर होकर रहें तो आपको चाहिए कि आप नित्य संध्या काल में तथा प्रातः काल में सूर्य उदय होने से थोड़ी पहले उत्तर दिशा की ओर मुख करके रावण कृत शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करें । कम से कम 41 दिन करके देखें परिणाम आपके सामने होगा ।

4. कार्तिक महीना में बेल वृक्ष का पूजन करने से बेल वृक्ष के नीचे दीप प्रज्वलन करने से निश्चित रूप से धनलक्ष्मी की प्राप्ति होता है ।

5. ऋण रोग तथा दरिद्रता से पीड़ित व्यक्ति हर महीना की शुक्ल पक्ष की प्रथम मंगलवार को शिव मंदिर मे कम से कम 108 बार अथवा 1008 बार मंगल मंत्र से खैर के लकड़ी के द्वारा होम करें । अगर कर्ज भार होगा तो उतर जाएगा । ऋण रोग से व्यक्ति मुक्त हो जाएगा । कार्य सिद्ध होने लग जाएगा ।

माता अन्नपूर्णा

6. हर महीना की शुक्ल पक्ष की प्रथम बुधवार तथा कृष्ण पक्ष की प्रथम बुधवार को गणेश जी को दूर्वा अर्पित करने से निश्चित रूप से धन आगमन होता है ।

7. श्रीमद् भागवत महापुराण की अष्टम स्कंद के अष्टम अध्याय की अष्टम श्लोक का अगर प्रत्येक अमावस्या को अमावस्या बिल्व फल की टुकड़ी से अगर हवन किया जाए तो निश्चित रूप से धन की प्राप्ति होता है ।

8. शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को अग्नि प्रज्वलित करके बेल की टुकड़े से अगर श्री सूक्त का हवन किया जाए तथा भगवान अग्नि का पूजन किया जाए तो निश्चित रूप से 3 महीने के अंदर ही व्यक्ति संपन्नता को प्राप्त कर लेता है ।

9. दीपावली की रात्रि किसी भी धनदायक मंत्र का जथाशक्ति रात्रभर दीप प्रज्वलन पूर्वक जाप करते रहें। उसके बाद नित्य प्रतिदिन इस मंत्र को उस मंत्र में जितना अक्षर है उतने बार रोज जाप करें । 3 महीने के अंदर ही यह आपके धन आगमन की सारे रास्ता खोल देगा । और आपको डूबने से बचा देगा ।

10. किसी भी महीना की शुक्ल पक्ष की प्रथम गुरुवार के दिन बिल्ववृक्ष के नीचे जाकर उसके उत्तर दिशा में जो जड़ है उससे एक टुकड़ा लाकर 1 महीने तक उसे शहद के डिब्बी में रखें । तथा श्रीं बीज् से नित्य पूजन करें । फिर अगले शुक्ल पक्ष की प्रथम गुरुवार को उसे शहद की डिब्बी से निकालकर तांबे की ताबीज में अथवा चांदी की ताबीज में धारण करें संभव है तो सोने की ताबीज में भी धारण कर सकते हैं ये आपकी मर्जी है । घोर से भी घोर दरिद्रता इससे नष्ट हो जाता है ।

11.औदुंवर वृक्ष की जड़ को किसी भी महीना की शुक्ल पक्ष की प्रथम शुक्रवार के दिन ग्रहण करके लाकर शुक्र मंत्र से अभिमंत्रित करके अगर धारण किया जाए तो भाग्य साथ न देने वाला व्यक्ति को भाग्य साथ देने लग जाता है। दुर्भाग्य नाश होकर सौभाग्य की प्राप्ति होता है।

12. उमा महेश्वर का पूजन पूर्वक अगर नित्य प्रतिदिन सुबह के समय गौरी दषकम का पाठ किया जाए और यह क्रिया कम से कम 3 महीना तक किया जाए तो व्यक्ति निश्चित रूप से संपन्नता को प्राप्त कर लेता है किसी भी प्रकार का कोई अभाव उसके अंदर नहीं रह जाता है।

13. अपने गले में अथवा बाहों में केवल एक ही गंडे या ताबीज धारण करें इससे ज्यादा गंडे ताबीज धारण ना करें।

14. अगर आप जो कार्य कर रहे हैं वह कार्य नहीं चल रहा है आपका व्यवसाय पूरा मांदा में चल रहा है यू कहे की डूबने के कगार पर है.... धन आने की बात तो बहुत दूर की है धन केवल जा ही जा रहा है.. यूं समझ लीजिए कि जब आपको ऐसा लगे कि सब कुछ खत्म होने वाला है..... ऐसी स्थिति में तो सर्वप्रथम आप अपना धैर्य ना खोएं। उसके बाद आप किसी भी महीना की शुक्ल पक्ष की प्रथम गुरुवार से प्रारंभ करते हुए नित्य प्रतिदिन सुबह स्नान कर लें। स्नान के पश्चात पीपल वृक्ष के नीचे एक चौमुखा घी का दीपक प्रज्वलित करें। कंबल का आसन बिछा लें। श्री विष्णु सहस्त्रनाम का एक पाठ करें। तथा ॐ नमो भगवते वासुदेवाय इस मंत्र का 11 माला जाप करें।अगर पीपल की वृक्ष के नीचे यह कार्य नहीं कर सकते हैं तो आप तुलसी की पौधे के नीचे भी कर सकते हैं। इस प्रकार आपको पूरा 3 महीना तक करना है। 3 महीना अगर कर ना पाए तो कम से कम 41 दिन अवश्य करें। निश्चित रूप से लाभ की ही प्रति होगा यह बहू बार परीक्षण किया गया एक दिव्य प्रयोग है।

माता लक्ष्मी

15. नित्य प्रतिदिन घर में एक छोटा सा पार्थिव शिवलिंग बनाएं और उसे गाने के रस से अभिषिक्त करें । कुछ ही दिनों में धन प्राप्ति का अनगिनत अवसर आपको दिखाई देने लग जाएगा ।

16. आदित्य हृदय स्तोत्र का नित्य प्रतिदिन 3 पाठ करने से व्यक्ति के जीवन में आने वाले बड़े से बड़े समस्या का समाधान हो जाता है और साथ ही साथ व्यक्ति को धन संपदाओं की प्राप्ति होने लग जाता है ।

17. कनकधारा स्तोत्र का नित्य तीन पाठ सुबह के समय एक पाठ मध्यान्ह काल में एक पाठ तथा संध्या काल में एक पाठ करने वाला व्यक्ति 3 महीने के अंदर संपन्नता को प्राप्त कर लेता है ।

18. किसी भी महीना के शुक्ल पक्ष की बुधवार के दिन व्यापार करने वाले व्यक्ति के ऊपर से सात लड्डू उतार कर रख दें। गुरुवार को परिवार का कोई व्यक्ति सूर्योदय से पूर्व वे लड्डू सफेद गाय को खिलाकर घर लौट आए। लौटते समय पीछे मुड़कर न देखे । व्यापार में बहुत लाभ होगा। यह अपने आप में अद्भुत तथा एक दिव्य प्रयोग है ।

19. किसी भी महीना की शुक्ल पक्ष की शुक्रवार से प्रारंभ करते हुए प्रत्येक शुक्रवार को चने एवं गुड़ बांटने से व्यापार में बहुत फायदा होता है। शुक्रवार को भुने हुए चने और गुड़ में खट्टी-मीठी गोलियां मिलाकर आठ वर्ष तक के बच्चों में वांट दें, व्यापार में वृद्धि होती है।

20. जिस घर में विष्णु महापुराण का पारायण होता है उस घर में निश्चित रूप से मां लक्ष्मी का निवास होजाता है ।

भगवान कुवेर

21. किसी भी महीना की शुक्ल पक्ष के गुरुवार के दिन से प्रारंभ करते हुए अगर नित्य प्रतिदिन बृहस्पति जी का आराधना किया जाए तो बहुत ही कम दिनों में उसे व्यक्ति को धन संपदाओं प्राप्त होने लग जाता है । पत्नी प्रिय वाक्य बोलने लग जाती हैं । पुत्र पौत्रादि की प्राप्ति होती है । धन का अभाव व्यक्ति के जीवन से चला जाता है ।

22. प्रत्येक अमावस्या को अमावस्या रात्रि काल में अगर पितरों के नाम से दीप प्रज्वलित किया जाए । तथा अमावस्या के दिन पितरों के नाम से कौवा कौआ को उड़द के डाल से बनी चीज जिसमें गुड डाला गया हो खिलाया जाए तो पितरों की कृपा से व्यक्ति को मनवांछित धन की प्राप्ति होता है ।

23. कुबेर जी का कोई भी मंत्र जो भी आपको मिले उसे मंत्र को अगर आप नित्य प्रतिदिन एक माला तीन माला पांच माला सा माल जितने हो सके उतने नित्य प्रतिदिन जाप करने लग जाते हैं तो अगर पैसा नहीं रुक रहा है तो पैसा घर में रुकने लग जाता है ।

24. दिन का प्रारंभ अगर अष्टवसुओं का नाम लेकर किया जाता है.... और ऐसा हर दिन किया जाए तो निश्चित रूप से हो व्यक्ति वसुओं से युक्त हो जाता है यानी कि धन से युक्त हो जाता है ।

25.₹5 ₹10 की जो सिक्का आजकल चल रहा है तथा पूर्व कल का जो तांबे से बनी मुद्रा, चांदी से बनी सिक्का सोने से बनी सिक्का इनमें से कोई भी हो जी सिक्के में किसी देवी या देवता का चित्र हो । उसे अगर शुक्ल पक्ष के शुक्रवार के दिन अपना तिजोरी में रख दिया जाए तो निश्चित रूप से यह धनदायक होता है ।

भगवान इन्द्र

26. हर महीना की शुक्ल पक्ष में जितने भी शुक्रवार आए हर शुक्रवार को 11 साल उम्र की लड़की या फिर उस छोटी लड़कीओं को अगर मिश्री प्रेम से बांटा जाए तो लक्ष्मी प्रसन्न हो जाते हैं ।

27. शुक्रवार के दिन देवराज इंद्र तथा देवी सची का पूजन भक्ति भाव से करने से व्यक्ति बहुत जल्द धनवान हो जाता है ।

28. शुक्रवार के दिन रात्रि कल में अगर देवी का पूजन रक्त वर्ण की पुष्प से सफेद पुष्प से किया जाए । तथा संपूर्ण पूजन श्रीं बीज से किया जाए तो ऐसे व्यक्ति के घर में कभी भी दरिद्रता नहीं भटकती है ऐसे व्यक्ति को संपन्नता सुख समृद्धि बहुत जल्द मिल जाता है ।

29. धन से संबंधित कोई भी परेशानी हो, कर्ज से संबंधित कोई भी परेशानी हो.... सब कुछ करके थक चुके हैं.... तो एक छोटा सा काम करें । गरुड़ के ऊपर बैठे हुए भगवान विष्णु जो गजराज को उद्धार कर रहे हैं... ऐसे फोटो को घर के उत्तर दिशा में स्थापित कर दें.... तथा उसी के सामने धूप दीप नैवेद्य आदि देकर गजेंद्र मोक्ष स्तोत्र का एक पाठ रोज करते जाएं । आप चाहे तो ज्यादा पाठ भी कर सकते हैं या आपके ऊपर निर्भर करता है । पर भले ही आप एक पाठ करें पर आपकी आंखों से आंसू आना अनिवार्य है । तब जाकर यह फल प्रद होता है ।

30. घर में संकल्प सहित कूर्म महापुराण का पारायण करने से निश्चित रूप से धन संपदाओं की प्राप्ति होता है ।

माता पार्वती एक शिशु के रूप में

31. अपने लैट्रिन घर को साफ रखें उसके साथ-साथ आपकी लैट्रिन घर में जो बाल्टी है वह बाल्टी को भी साफ रखने के साथ-साथ वह बाल्टी में स्वच्छ पानी सदा सर्वदा रहना चाहिए । ऐसा करने पर आपको निश्चित रूप से आकस्मिक धन की प्राप्ति होने लग जाएगा ।

32. मस्यमहापुराण में वर्णित पार्वती जन्म की कथा को जिस घर में भी पढ़ा जाता है उस घर में कभी भी धन का कमी नहीं होता है संपदा का कमी नहीं होता है दरिद्रता उस घर में नहीं भटक सकती तथा उस घर में सदा खुशहाली बनी रहती है । बहुबार प्रयोग किया गया यह एक अद्भुत अचूक तथा अद्वितीय प्रयोग है ।

33. प्रत्येक शनिवार राहुकाल में ₹1 का लोहे का 4 सिक्का लेकर भैरव मंदिर में रख कर चले आए या फिर पेटी में दान कर दें । तथा राहु के द्वारा धन प्राप्ति की कामना करें भैरव जी के सामने । यह भी एक अचूक प्रयोग है...धन प्राप्ति का ।

34. नित्य प्रतिदिन अथवा पुर्णिमा को चंद्रमा को दूध का अर्घ्य प्रदान करें । तथा धन प्राप्ति की कामना करें । चाहे तो क्षिर का भोग भी लगा सकते हैं ।

35. धन-धान्य से सदा घर पूर्ण रहे इसलिए एक लोहे के बर्तन में जल, चीनी दुग्ध तथा घृत इस चार चीज को मिला लें.....। इसको किसी पीपल के पेड़ की छाया के नीचे खड़े होकर इस पीपल की जड़ में डाल दें । इस प्रकार कम से कम पांच शुक्रवार करें । यह क्रिया दिन के समय ही करें रात्रि काल में ना करें ।

भगवती

36. हर महीना आप जितने कमाई करते हैं उसे कमाई का दसवां हिस्सा सदगुरु देव की श्री चरण में अथवा किसी शिव मंदिर में दान करें । अगर दसवां हिस्सा दान नहीं कर पा रहे हैं तो दसवां हिस्सा का ही आधा दान करें । इसमें धन प्राप्ति का जो योग होगा वह सदा बना रहता है ।

37.शुक्ल पक्ष के शुक्रवार के दिन सवा सौ ग्राम सबूत बासमती चावल तथा सभा सवा सौ मिश्री को एकत्रित करके एक सफेद रुमाल में बांध दे । उसके पश्चात मां लक्ष्मी को अपने द्वारा धन की मार्ग में जो भी गलती हुआ है उसके लिए क्षमा प्रार्थना करें । क्षमा प्रार्थना करने के पश्चात अपने गृह में स्थिर होकर मां लक्ष्मी सदा रहे इसका कामना करें । उसके पश्चात उसे नदी की बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें । सभी प्रकार की आर्थिक संकट का नाश होगा यह निश्चित है ।

39. तेल नमक तथा अन्न यह तीनों चीज आपके घर में खत्म नहीं होना चाहिए । यह तीन चीज खत्म होने से पूर्व ही आप घर पर ले आएं। यह तीनों चीज घर में सदा पूर्ण रखें । ऐसा करने पर अस्थिर लक्ष्मी भी स्थिर होकर घर में रह जाएंगे ।

40. आपके जो भी कुलदेवी हैं आपकी कुलदेवी के मंत्र में श्रींबीज संपुटित करके देविका आराधना विशेष कर अमावस्या संक्रांति तथा पूर्णिमा को करें और देवी दिनों में करें । ऐसा करने से निश्चित रूप से धन की प्राप्ति होता है ।

भगवती

41. शनिवार के दिनों में नंगे पैर चलती हुई देवी मंदिर की यात्रा करें देवी दर्शन करें देवी से धन की कामना करें । देवी को फूलों से सजाने के लिए पुष्प अवश्य लेकर जाएं। ऐसा पांच शनिवार करें कम् से कम् ।

42. एक चंदन का टुकड़ा मैं श्रीं लिखकर अपने पास रखने से कम धन हानि होता है तथा आकस्मिक धन प्राप्ति होता है ।

43.कृपण ना बनें । कृपण बनने पर मां लक्ष्मी रूस्ट हो जाते हैं ।

44. शिव महापुराण में वर्णित गुणनिधि चरित्र का पाठ करने से और साथ ही साथ शिव मंदिर में जाकर रात्रि काल में दिया जलाने से, कुबेर जी महाराज की कृपा से तथा भगवान शिव की कृपा से व्यक्ति बहुत जल्द धन-धान्य से परिपूर्ण हो जाता है ।

45. विष्णु महापुराण में वर्णित इंद्र कृत लक्ष्मी स्तोत्र का 6 महीना तक पाठ करने से घर में सदा सदा के लिए लक्ष्मी का वास हो जाता है ।

46. दक्षिणावर्ती शंख जहां भी रहता है वहांपर दरिद्रता का नाम निशान मिट जाता है ।

47. एकाक्षी नारियल का पूजन से घर में सदा सुख शांति बनी रहती है तथा धन में वृद्धि घटती है ।

48. राहु के पूजन आराधना से निश्चित रूप से आकस्मिक धन की प्राप्ति होती है ।

49. मंगल की आराधना से निश्चित रूप से ऋण रोग तथा दरिद्रता से मुक्ति मिलता है ।

50. 64 योगिनियों का नित्य पूजन 64 दिन तक तामसिक अथवा राजसिक बली भोग के द्वारा किया जाए तथा उनसे धन प्राप्ति की कामना की पूर्ति के लिए आशीर्वाद मांगा जाए तो आकस्मिक रूप से व्यक्ति को नानादी मार्ग से धन प्राप्त होने लग जाता है ।

नाग देवता

51. माता भगवती पार्वती के लिए बुधवार के दिन मिट्टी का सिंह मंदिर में देने से व्यवसाय में आने वाला हर अड़चन दूर हो जाता है ।

52. जहां luck की बात आए यानी कि सौभाग्य की बात आए वहां पर शुक्राचार्य की आराधना करना चाहिए । शुक्राचार्य की आराधना करने से भाग्य साथ देने लग जाता है ।

53. नाग देवता का पूजन करने से राहु की कृपा से निश्चित रूप से धन प्राप्त होने लग जाता है ।

54.दक्षिण-पूर्व दिशा (आग्नेय कोण) में देसी कपास का एक पौधा रोपण करें... स्नान के बाद उसमें पानी डालें हो सके तो दीपक प्रज्वलित करें । पुष्प आदि से पूजन करें । तथाकथित मनी प्लांट से यह करोडो गुना ज्यादा फायदा देने वाला है आपको । सौभाग्य को पक्ष में रखने का यह सबसे अद्भुत तथा अचूक उपाय है।

55. बाजार से जिंदा कछुआ खरीद कर लाएं । उसे किसी बहते हुए गभीर जल राशि में छोड़ दें । महीने में एक बार यह क्रिया अवश्य करें । सौभाग्य आपके चरण चूमेगी ।

56. पुराणों में वर्णित महाराज कार्तवीर्यार्जुन का चरित्र का पठन स्मरण तथा मनन करने से खोई हुई चीज, खोया हुआ ऐश्वर्या पुनः प्राप्त हो जाता है ।

57. जिस ग्रंथ में मारण उच्चाटन तथा स्तंभन यह तीन विद्या दिया गया हो ऐसा पुस्तक अथवा ग्रंथ को यथासंभव घर से दूर रखें ।

58.महाराज कार्तवीर्यार्जुन जी के नाम से हर महीना दीपदान करने से निश्चित रूप से लक्ष्मी में वृद्धि होती है ।

59. श्रीमद् भागवत में वर्णित कृष्ण श्रीदामा चरित्र का नित्य अध्ययन करने से तथा भगवान कृष्ण से दरिद्रता निवारण का जाचना करने से व्यक्ति 6 महीने के अंदर दरिद्रता से मुक्त हो जाता है ।

60. स्कंद महापुराण में वर्णित बृहस्पति कृत शिव अष्टोत्तर सतनाम नाम का पठन से तथा प्रत्येक नाम से भगवान शिव का अभिषेक करने से सभी प्रकार की ग्रह पीड़ा से व्यक्ति मुक्त होने के साथ-साथ बहुत ही कम दिनों में धनवान बनने का योग बनता है ।

उमा भगवती सदा सहाय

61. स्वप्न में भी किसी का अनिष्ट चिंतन ना करें । मेरा भी मंगल हो साथ ही साथ सबका मंगल हो यही चिंतन सदा सर्वदा रखें । प्रभु दाता हैं । यह विश्वास रखें । बस यही विश्वास रखकर देखें बहुत ही कम दिनों में आप बहुत बड़े ऊंचाई में पहुंच जाएंगे । क्योंकि यही भावना रखने से नकारात्मक राहु भी सकारात्मक प्रभाव देने लग जाता है ।

62. किसी भी महीना की शुक्ल पक्ष की शुक्रवार शनिवार तथा रविवार के दिन प्रातः काल के 5:00 बजे किसी देवी मंदिर में नित्य तीन दिनों तक जो गुड़हल का फूल का एक माला निर्माण करके उसमें थोड़ा सा गंगाजल (जिसमें गुलाब जल मिला हुआ) को उसे फुल मॉल में छिड़क कर देवी मंदिर में देकर चले आएं। आप चाहे तो हर महीने से कर सकते हैं वरना कम से कम 7 महीना ऐसा करके देखें । धन प्राप्त की कामना अवश्य रखें । 7 महीने के अंदर ही महान से महान दरिद्र व्यक्ति भी धन संपदाओं को प्राप्त कर लेता है इसमें किसी भी प्रकार का संदेह नहीं है ।

63. जो महिला विनम्र होता है नम्र स्वर में बातचीत करता है, ऐसी महिला से कठोर शब्द में बातचीत ना करें । उनका सदा सम्मान करें । अगर कभी भी ऐसी महिला संध्या काल में आपके घर में प्रवेश करते हैं तो इन्हें बिना नींबू का जहां मिश्री मिला हुआ हो , दूध मिला हुआ हो ऐसा शरबत पीने के लिए दें । और अगर किसी भी तरह दे सकते हैं तो इन्हें पहनने के लिए एक नया साढी भी दे सकते हैं । यह एक अद्भुत तथा दिव्य प्रयोग है । चमत्कार से भरा हुआ । ऐसा करने पर बहुत जल्द व्यक्ति के घर में धन संपदा सौभाग्य सुख समृद्धि अपने आप आने लग जाते हैं ।

64. ज्येष्ठा नक्षत्र में कदापि नीम के वृक्ष के नीचे ना जाएं। जेष्ठा नक्षत्र के दिन जथा संभव शांत रहने का प्रयत्न करें ।

65. आद्रा नक्षत्र में शिवलिंग का अवश्य पूजन करें तथा धन प्राप्ति की कामना करें । हर महीना का आद्रा नक्षत्र में यह करें और 6 आद्रा नक्षत्र तक यह करें । अवश्य धन संपदाओं की प्राप्ति होगा । दरिद्रता का नाश होगा ।

भगवान हनुमान

66. कच्ची घनी सरसों का तेल में लौंग डालकर हनुमान जी के सम्मुख दीपक प्रज्वलित करें । प्रत्येक शनिवार को शनिवार यह कार्य करें आप चाहे तो रोज भी कर सकते हैं । ऐसा करने पर धन हानि बंद हो जाता है तथा धन आने का मार्ग भी खुल जाता है ।

67.किसीभु पर्वकाल में जब शनिवार पड़ा हो तव पीपल का एक साफ पत्ता तोड़ लाएं। उसे दूध और गंगाजल से स्नान कराकर अपनी गद्दी के नीचे रख लें । 9 शनिवार को यह उपाय करें। 9वें शनिवार को पत्ता रखने के कुछ देर पश्चात सब पत्तों को निकालकर उन पर श्वेत चंदन से "श्री जय वीर हनुमान" लिख
दें। फिर उन्हें एक् एक् कर बहते जल में बहा दें। जिस तेजी के साथ पत्ते
जाएंगे, उसी तेजी से आपका व्यापार चल निकलेगा।

68. 10 महाविद्या अंतर्गत देवी कमला का नाम मात्र आराधना से भी व्यक्ति 3 महीने के अंदर धन-धान्य से संपन्न हो जाता है ।

69. शबरी दुर्गा का नित्य प्रतिदिन सुबह नाम लेने से तथा उनका ध्यान करने से व्यक्ति को दरिद्रता स्पर्श नहीं कर पाता है ।

70. 1 महीने 2 महीने अथवा 3 महीने के अंतराल में अगर किसी देवी मंदिर में श्रृंगार सामान अर्पित किया जाए तथा देवी को पुष्प से सजाया जाए तो निश्चित रूप से उसे व्यक्ति के घर में सदा सदा के लिए माता महालक्ष्मी का वास हो जाता है । धन-धान्य का किसी भी प्रकार का अभाव नहीं रहता है ।

माता ललिता

71. सौंदर्य लहरी स्तोत्र का नित्य पाठ से व्यक्ति के जीवन में धन का अभाव नहीं रहता है । ध्यान देने योग्य बात यह है कि सौंदर्य लहरी स्तोत्र पाठ से पूर्व व्यक्ति को धन कामना के लिए संकल्प लेना अनिवार्य है ।

72. शीत ऋतु में दरिद्र व्यक्ति को जो व्यक्ति पागल है उसे जो व्यक्ति इधर-उधर भटक रहा है उसे, ऐसी पुरुष तथा महिलाओं को कम से कम शीत ऋतु का 2 महीने के अंदर 10 कंबल दान करें । एक कंबल का मूल्य ज्यादा से ज्यादा डेढ़ सौ रुपया के अंदर होना चाहिए । ऐसा करने पर वर्ष भर के लिए आकस्मिक धन मिलता रहता है ।

73. कार्तिक की महीना में अगर स्वामी कार्तिकेय जन्म का चरित्र का पठन किया जाए तथा मंगल मंत्र का जाप किया जाए तो ऐसा व्यक्ति निश्चित रूप से बहुत कम दिनों में ही ऋण भार से मुक्त हो जाता है और सिर्फ इतना ही नहीं धन का सारे मार्ग उसके लिए खुल जाता है ।

74. हर महीने में दुर्वा से कभी-कवार राहु का हवन रात्रि काल में अवश्य करें।

75. चंदन का लकड़ी में एक छोटा सा माता सरस्वती का मूर्ति निर्माण करके अगर उसका पूजन किया जाए तो निश्चित रूप से आकस्मिक धन प्राप्ति होता रहता है ।

पार्थिव गणेश

76. प्रत्येक महीना की चतुर्थी तिथि को मिट्टी का गणेश तैयार करके उनका पूजन करें उनके ऊपर दूर्वा चढ़ाई तथा धन संपदा प्रताप की कामना करें पूजन के बाद बहते हुए जल में उन्हें प्रवाहित कर दें । धनागमन में जितने भी रुकावट हैं विघ्न है उस सभी को शांत करने की प्रार्थना करें । या क्रिया केवल हर महीना की चतुर्थी को ही करें वह चाहे कृष्ण चतुर्थी को करें या शुक्ल चतुर्थी को करें या फिर दोनों चतुर्थी को करें या आपकी मर्जी है । ऐसा करने पर सहज और सरल तरीके से व्यक्ति को धन प्राप्त होने लग जाता है ।

77. हफ्ते में एक दिन आपकी नीचे जो भी कर्मचारी काम करते हैं उनमें से किसी एक को खाना खिलाएं। अगर शुक्रवार को खिलाते हैं तो घर संपत्ति में वृद्धि होगा और अगर शनिवार के दिन खिलाते हैं तो धन संपदा में वृद्धि होगा । यानी की रोजी कमाई में वृद्धि होगा ।

78. शनिवार के दिन मसान में स्थित कुआं के पास जाएं।₹1 का एक सिक्का उसके अंदर डाल दें।

79. भगवान विष्णु के कूर्म अवतार की मूर्ति अथवा फोटो को लाकर घर में स्थापित करें ।

80. देवमाता अदिति का पूजन करने से तथा धन की कामना करने से निश्चित रूप से व्यक्ति को धन प्राप्ति होता है ।
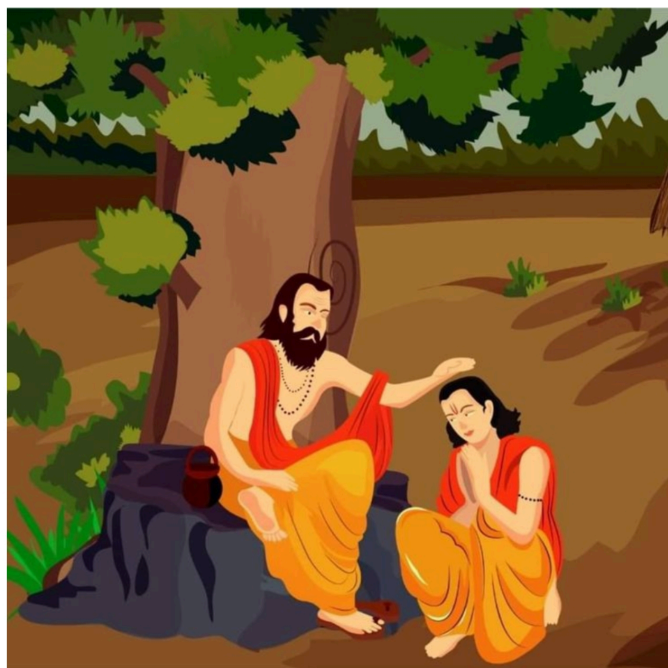
81. किसी भी महीना के शुक्ल पक्ष की शुक्रवार के दिन अथवा गुरुवार के दिन किसी सिद्ध संत के पास जाइए उनके चरण पकड़िए और उनसे मन ही मन धन की कामना करें । उनके श्री चरण से तब तक ना उठे जब तक उनका आशीर्वाद आपको प्राप्त न हो जाए ।

82. अगर कभी किसी देवी या देवता के मंदिर में जाकर यह मन्नत मांगे हैं कि है माता मेरे यह मनोकामना पूर्ण होने के बाद मैं तुझे अमूक चीज प्रदान करूंगा.... और काम हो जाने के बाद अगर आप वही चीज प्रधान ना करते हैं तो यह प्रक्रिया आपके जीवन में धन हानि का संभावना को बढ़ा देता है । इसी कारण किसी भी देवी देवता के समझ में आप जो मन्नत मांग रहे हैं और मन्नत पूरा होने के बाद जो देने के लिए कहे हैं मन्नत पूरा होने के बाद वह अवश्य दे दें । अन्यथा नुकसान आपको ही उठाना पड़ सकता है ।

83. तिरुपति बालाजी मंदिर यात्रा करें, वहां पर जाकर भगवान श्री तिरुपति बालाजी महाराज से यह प्रार्थना करें कि हे भगवान सदा सर्वदा धन मेरे पास आता रहे । प्रभु अगर ऐसा हो जाए तो मैं मेरा सौंदर्य आपको दान करूंगा अर्थात आपके यहां पर आकर में मुंडन करवाऊंगा । और साथ ही साथ हर महीने में मेरा जितना भी कमाई होगा उसे कमाई का दसवां हिस्सा का आधा आपका नाम पर में सदा सर्वदा रखूंगा । यह अपने आप में एक अद्भुत अद्वितीय प्रयोग है और इसमें सात प्रतिशत लाभ मिलता है । भिखारी से भिखारी आदमी भी धन संपदाओं से युक्त हो जाता है ।

84. वेदों में वर्णित भाग्य सूक्त का नित्य पठन करें अगर पठन करने में असमर्थ है तो स्मरण अवश्य करें । छोटा सा दिखने वाला यह एक दिव्य तथा महान उपाय है ।

85. बिल्व वृक्ष का सेवा करें ।बिल्व वृक्ष का जत्न करें ।बिल्व वृक्ष के नीचे शिवलिंग का पूजन करें ।

माता गायत्री

86. प्रत्येक अमावस्या को श्रीमद् भागवत गीता के सातवें अध्याय का पाठ करें । तथा दरिद्रता दूर करने का कामना करें । पितरों की कृपा से धन प्राप्त होना शुरू हो जाता है ।

87. हर महीना की शुक्ल पक्ष के शुक्रवार के दिन सुयोग्य ब्राह्मण के द्वारा गायत्री मंत्र का कम से कम 108 आहुति (बिल्व फल की टुकड़े से) प्रदान करें ।

88. दुर्गा सप्तशती का चतुर्थ अध्याय का नित्य पठन करें तथा धन प्राप्ति की कामना करें । आपके जन्म कुंडली का सभी दोष को नष्ट करके या आपको सभी ओर से विकसित कर देगा ।

89. 5 वर्ष से लेकर 8 वर्ष तक की वैश्य (ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य शूद्र वाला वैश्य) जाति का कन्याओं को अपने घर को आमंत्रित करके शुद्ध शीतल जल से उनके चरण को प्रक्षालन करें । लाल चंदन अक्षत आदि प्रदान करें । उन्हें वस्त्र प्रदान करें । उन्हें क्षीर तथा पूए का भजन कराएं तथा उन्हें दक्षिण अर्पित करें । सदा इस बात का ध्यान रखें कि जैसे हो उसे दक्षिण का दुरुपयोग ना करें जैसे की कोई खट्टी चीज ना खा दें । कम से कम महीने में एक बार इस क्रिया को करें तथा 3 महीने तक करें । अगर समस्या ज्यादा गंभीर है तो 5 महीने तक करें । महीने में सिर्फ एक बार करना है और वह भी शुक्ल पक्ष में करना है । शुक्ल पक्ष की बुधवार अथवा शुक्रवार किया जाए तो सर्वश्रेष्ठ है । कितने भी बड़े कर्ज में आप फंसे हुए हैं कर्ज जरूर नष्ट हो जाएगा । बंद हुई व्यापार चलने लग जाएगा । धन का आगमन होने लग जाएगा ।

90. किसी भी महीना की शुक्ल पक्ष की प्रथम सोमवार अथवा बुधवार के दिन चमकीले पीले वस्त्र में शुद्ध कस्तूरी लपेटकर अपने तिजोरी में रखने पर निश्चित रूप से धन का आगमन बढ़ जाता है तथा व्यक्ति को सुख समृद्धि संपत्ति संपदाओं की प्राप्ति होता है । अगर कस्तूरी नकली हो तो उपाय काम नहीं करेगा ।

राहु केतु

91. किसी भी महीना के शुक्ल पक्ष की शुक्रवार के दिन एक जटा वाला नारियल लाइए उसे नया लाल सूती कपड़े मैं बांध दीजिए तथा धन प्राप्ति की कामना करते हुए बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें । हर महीना में एक काम करते जाएं क्योंकि हर महीने में बस एक दिन ही तो करना है आपको । आप देखेंगे धन से संबंधित आपका जो मनोकामना है वह अवश्य पूर्ण हो जाएगा ।

92. जिस अंचल में आप अपने कारोबार कर रहे हैं अपना व्यवसाय कर रहे हैं उसे एरिया का कोई स्वतंत्र अधिष्ठात्री देवी होंगे । कोई भी बड़ा फैसला लेने से पहले कोई भी बड़ा बिजनेस करने से पहले तथा बिजनेस की हर कार्य में उन अधिष्ठात्री देवी के पास जाएं तथा उन्हें यह कहें की माता इस प्रक्रिया में मुझे जो भी लाभ होगा इसका दसवां हिस्सा का आधा में तेरे नाम पर अभी से करता हूं । इसमें मुझे जितना लाभ होगा.... आपका भी लाभ बढ़ता जाएगा इसीलिए कृपा करें । इस प्रकार अगर आप करते जाएंगे तो आप देखेंगे कि आपके सारे कार्य बिना रुकावट के होने लग जाएगा ।

93. अपने जन्म नक्षत्र वाले दिन पीपल वृक्ष की अथवा बरगद की वृक्ष की अथवा विल वृक्ष की विशेष पूजा चना करें तथा उन्हें धन प्राप्ति के लिए आशीर्वाद मांगें । हर महीना यह एक बार अवश्य करें । निश्चित रूप से धन प्राप्त होता है ।

94. जुआ सट्टे शेयर मार्केट आदि से दूरी बनाकर रहें, अगर आपका राहु केतु अच्छा है.... अथवा राहु केतु का उपाय करके आप राहु केतु को प्रसन्न कर सकते हैं तो आप जुआ सकते तथा शेयर मार्केट में भी जा सकते हैं और इसमें आपको आकस्मिक रूप से लाभ प्राप्त भी होगा । पर अगर आपका राहु केतु अच्छा नहीं है अथवा राहु केतु का उपाय आप नहीं जानते हैं ना ही कभी किए हैं तो कृपा पूर्वक जुआ सकते शेयर मार्केट आदि से दूरी बनाकर खुद को रखें ।

माता भुवनेश्वरी

95. आपके घर में जो देवी देवताओं का छोटे-छोटे प्रतिमूर्ति है इन सबको शुक्ल पक्ष में किसी भी दिन गंगाजल से अवश्य स्नान करवाएं । विशेषकर शुक्रवार के दिन तथा खीर मिश्री दूध आदि का भोग लगाएं।

96. देवी देवताओं के नाम से कम ना खाएं देवी देवताओं के नाम से वचन ना लें, देवी देवताओं के नाम से दुहाई ना दें । दुहाई, सौगंध, आने दिया हुआ साबर मंत्र आदि से यथाशक्ति बचकर रहें । क्योंकि कुछ विशेष परिस्थिति में ही इन सब का उपयोग करना चाहिए । कारण ऐसा मंत्र का साधना करने से लक्ष्मी रुष्ट हो जाते हैं ।

97. अपने गुरुदेव के मार्गदर्शन पर मां भुवनेश्वरी का कोई भी मंत्र ग्रहण कर लीजिए और उसका जाप करने लग जाएं, उनका आराधना करने लग जाएं... 3 महीने के अंदर ही आप धनवान बन जाएंगे । धन संपदाओं का किसी भी प्रकार का अभाव नहीं रहेगा ।

98. अगर आपका व्यवसाय में मंदिपन है, आपका व्यवसाय मादा चल रहा है तो शनिवार के दिन संध्याकाल में पीपल वृक्ष के नीचे सरसों का तेल का दिया जलाएं तथा दशरथ कृतशनि पीड़ा हर स्तोत्र का पाठ करें ।

100. हर व्यवसायी को चाहिए की हो भोजपत्र में शुक्ल पक्ष के शनिवार के दिन शनि यंत्र का निर्माण करके अपने पास रखें । हर शुक्ल पक्ष की शनिवार में उसका पूजन करें । व्यवसाय में घटा ना हो व्यवसाय में मंदि ना आए.... व्यवसाय आगे बढ़ता रहे इसी के लिए यह एक अद्भुत अद्वितीय तथा अचूक प्रयोग है ।

यज्ञ

101. अगर कहीं पर कोई यज्ञ हो रहा है तो उसे यज्ञ के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करें । और इस बात का सदा ध्यान रखें कि आप जो पैसे दिए हैं वह यज्ञ की कार्य के लिए ही लगें। ऐसा करने पर निश्चित रूप से धन प्राप्ति का मार्ग खुल जाता है ।

102. देवी गीता अथवा गणेश गीता इन दोनों में से किसी एक गीता का संकल्प सहित पाठ से व्यक्ति निश्चित रूप से दरिद्रता से मुक्त हो जाता है । यह व्यक्ति को धनी बनने वाला एक सिद्ध प्रयोग है ।

103. अमावस्या तिथि में पुराणों में वर्णित पितरों की उत्पत्ति का कथा का श्रवण करें तथा पठन करें । पितरों के नाम से दिया जलाएं । उनसे धन सौभाग्य संपत्ति संपदाओं की कामना करें । पितरों बहुत जल्द प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को उसके मनोवांछित धन प्रदान करते हैं ।

104. अगर कोई सांसारिक प्राणी भगवान कि किसी भी त्यागी स्वरूप का सेवा करें उपासना करें तथा उनसे धन प्राप्ति की कामना करें भगवान के उस त्यागी स्वरूप.... उसे रंक से राजा तक बना देते हैं । भिखारी से कुबेर तक बना देते हैं । यहां पर भगवान के त्यागी स्वरूप का एक उदाहरण है भगवान दत्तात्रेय । ऐसे और भी अनेक त्यागी स्वरूप है भगवान का ।

मां

105. जिस घर में मां भगवती अन्नपूर्णा का नित्य पूजन हो रहा है उस घर में किसी भी प्रकार का कोई अभाव नहीं रह जाता है ।

106. जो व्यापार करते हैं उन्हें चाहिए कि गुड़मार नामक पौधा का तीन इंच का जड़ को आमंत्रित करके प्रेम पूर्वक अपने पास सदा सर्वदा रखें । ऐसा करने पर व्यापार की मार्ग में कभी भी कोई अड़चन नहीं आता है ना ही व्यापार में कोई हानि होता है ।

107. किसी भी महीना की शुक्ल पक्ष की प्रथम सोमवार को शिव मंदिर में स्थित और अगर शिव मंदिर ना हो तो किसी देवी मंदिर में स्थित है देवी मंदिर में ना हो तो किसी भी मंदिर में स्थित है पीपल के वृक्ष के नीचे संध्या काल में गण करें । थोड़ा सा शक्कर बताशा तथा मिठाई पीपल वृक्ष को अर्पित करें । धूप प्रदान करें । लकड़ी वाला अगरबत्ती को प्रयोग में ना लें। कम से कम साथ सोमवार तक यह उपाय करें । विश्वास कीजिए आपका व्यापार तेजी से चलने लग जाएगा । व्यवसाय में किसी भी प्रकार का कोई अड़चन नहीं आएगा ।

108.अगस्त्य कृत लक्ष्मी स्तोत्र का नित्य पाठ से 3 महीने के अंदर व्यक्ति धन-धान्य से संपन्न हो जाता है । सत्य सत्य सत्य त्रिवार सत्य है।

💖नमः शिवाय परमात्मने💖